13. महिला की साहस गाथा

1. महिला की साहस गाथा पाठ किस प्रकार की साहित्यिक विधा है ?

   महिला की साहस गाथा पाठ साहित्यिक विधा में 'व्यक्ति परिचय' है।

2. एवरेस्ट की चोटी पर चढ़नेवाली पहली भारतीय महिला कौन है ?

   बिछेंद्री पाल

3. बिछेंद्री पाल को कौन-सा गौरव प्राप्त हुआ है ?

   एवरेस्ट की चोटी(शिखर) पर चढ़नेवाली पहली भारतीय महिला होने का गौरव प्राप्त हुआ है।

4. बिछेंद्री पाल के माता-पिता कौन थे ?

   हंसादेई नेगी और किशनपाल सिंह

5. हंसादेई नेगी दंपति की बिछेंद्री पाल कितवीं संतान थी ?

   हंसादेई नेगी दंपति की पाँच संतानों में बिछेंद्री तीसरी संतान थी।

6. बिछेंद्री के बड़े भाई को क्या अच्छा लगता था ?

   पहाड़ों पर जाना

7. बिछेंद्री ने क्या निश्चय किया ?

बिछेंद्री ने अपने बड़े भाई की तरह पहाड़ों पर जाने का निश्चय किया।

8. किस जज़्बे से बिछेंद्री ने पर्वतारोहन का प्रशिक्षण लेना शुरू कर दिया ?

   बिछेंद्री किसी से पीछे नहीं रहेंगी, उनसे बेहतर करके दिखलाएँगी। इसी जज़्बे से उन्होंने पर्वतारोहन का प्रशिक्षण लेना शुरू कर दिया।

9. बिछेंद्री पाल को बचपन में कितने किलोमीटर पैदल चल कर स्कूल जाना पड़ता था ?

   पाँच (5)

10. पर्वतारोहन प्रशिक्षण से बिछेंद्री को क्या लाभ हुआ ?

    पर्वतारोहन प्रशिक्षण के दौरान बिछेंद्री को उनका कठोर परिश्रम बहुत काम आया।

11. बिछेंद्री पाल अपनी पढ़ाई का खर्च कैसे जुटाने लगी ?

    सिलाई का काम सीख लिया और सिलाई करके अपनी पढ़ाई का खर्च जुटाने लगी।

12. बिछेंद्री पाल की शिक्षा कहाँ तक हुई है ?

    संस्कृत में एम.ए तथा बी.एड

13. बिछेंद्री पाल का लक्ष्य क्या था ?

    पहाड़ पर चढ़ना

14. बिछेंद्री पाल ने पहले कौन-से पर्वत की चढ़ाई की ?

    कालानाग

15. सन् 1982 में बिछेंद्री पाल ने कौन-से पर्वतों की चढ़ाई की ?

    गंगोत्री ग्लेशियर (6672 मी) और रूड गेरो (5819 मी)

16. सन् 1983 में दिल्ली में कौन-सा सम्मेलन हुआ था ?

    हिमालय पर्वतारोहियों का सम्मेलन

17. एवरेस्ट पर चढ़नेवाले पहले पुरुष कौन थे ?

    तेनजिंग नोर्गे

18. एवरेस्ट पर चढ़नेवाली पहली महिला कौन थीं?

    जुंके ताबी

19. एवरेस्ट पर चढ़नेवाली पहली भारतीय महिला कौन थीं ?

    बिछेंद्री पाल

20. बिछेंद्री पाल पहली बार किन पर्वतारोहियों से मिली ?

    तेनजिंग नोर्गे और जुंके ताबी

21. बिछेंद्री पाल ने क्या संकल्प किया ?

    बिछेंद्री पाल ने तेनजिंग नोर्गे और जुंके ताबी की तरह एवरेस्ट पर पहुँच ने का संकल्प किया।

22. बिछेंद्री पाल ने एवरेस्ट पर कब भारत का झंड़ा फहरा दिया ?

बिछेंद्री पाल ने 23 मई 1984 को एवरेस्ट पहुँचकर भारत का झंड़ा फहरा दिया।

23. एवरेस्ट पर भारत का झंड़ा फहराते समय बिछेंद्री पाल के साथ कौन थे ?

पर्वतारोही अंग दोरजी

24. कर्नल का नाम क्या था ?

खुल्लर

25. बिछेंद्री पाल और अंग दोरजी पर्वतारोहन के लिए कहाँ से बाहर निकले ?

साउथ कोल से

26. पर्वत के बर्फ की चट्टानें कैसे थे ?

बर्फ की सीधी व ढलाऊ चट्टानें बहुत ही सख्त और भुरभुरी थीं।

27. बर्फ को काटने के लिए बिछेंद्री ने क्या इस्तमाल किया था ?

फावड़े का

28. ल्हाटू कौन-सी रस्सी लाया था ?

एक नायलॉन की रस्सी

29. बिछेंद्री पाल पर्वतारोहन के लिए किन चीज़ों का उपयोग किया ?

ऑक्सीजन का रेगुलेटर तथा नायलॉन की रस्सी आदि

30. बिछेंद्री पाल कब एवरेस्ट की चोटी खड़ी पर थी ?

बिछेंद्री पाल ने 23 मई 1984 के दिन दोपहर 1:07 मिनट पर एवरेस्ट की चोटी खड़ी पर थी।

31. बिछेंद्री ने थैले से कौन-सा चित्र निकाला ?

हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ का

32. बिछेंद्री ने किस के प्रति आदर भाव प्रकट करती है ?

अंग दोरजी

33. अंग दोरजी और बिछेंद्री पाल कहाँ पहुँचकर फोटो लेते हैं ?

सोनम पुलजर पर

34. कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेंद्री पाल से क्या कहा ?

कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेंद्री पाल से कहा - "देश को तुम पर गर्व है।"

35. एवरेस्ट के शिखर पर कितने मिनट व्यतीत किया ?

43 मिनट

36. बिछेंद्री ने एवरेस्ट की यात्रा पूरी करने के लिए कितना समय लिया ?

पूरे 10 घंटे 40 मिनट तक का

37. मेजर का नाम क्या था ?

कुमार

38. बिछेंद्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने कौन-सा पदक देकर सम्मान किया ?

स्वर्ण पदक

39. बिछेंद्री को किन पुरस्कारों की घोषणा भी की गई है ?

पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार

40. बिछेंद्री को क्या अच्छा लगा ?

सबके आकर्षण और सम्मान का केन्द्र होना बिछेंद्री को बहुत अच्छा लगा ।

41. बिछेंद्री पाल द्वारा लिखित कृति का नाम क्या है ?

'एवरेस्ट-मेरी शिखर यात्रा'

42. **अंग दोरजी क्यों आश्चर्यचकित और आनंदित हुए ?**

शिखर कैंप पर पहुँने पर अंग दोरजी पीछे मुडकर बिछेंद्री से पूछा "क्या तुम थक गई हो ?" तब बिछेंद्री ने कहा "नहीं" । यह बात सुनकर अंग दोरजी बहुत ही आश्चर्यचकित और आनंदित हुए ।

43. **मेजर कुमार ने कर्नल खुल्लर को वायरलैस पर क्या बताया ?**

मेजर कुमार ने कर्नल खुल्लर को वायरलैस पर कहा "आप विश्वास करें या न करें श्रीमान, बिछेंद्री पाल केवल तीन घंटे में ही वापिस आ गई और वह उतनी ही चुस्त दिख रही है जितनी वह आज सुबह चढ़ाई शुरु करने से पहले थी ।"

44. **बिछेंद्री पाल एवरेस्ट की चोटी पर पहुचँकर क्या किया ?**

बिछेंद्री पाल एवरेस्ट की चोटी पर पहुचँकर उन्होंने अपने घुटनों के बल पर बैठ के बर्फ को माथे पर लगाया । हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ के चित्रों को लाल कपड़े में लपेटकर छोटी-सी पूजा करती है । बाद में सोनम पुलजर पर पहुँचकर फोटो लेती है ।

45. **दक्षिण शिखर पर चढ़ते समय बिछेंद्रि के अनुभव के बारे में लिखिए ।**

दक्षिण शिखर के ऊपर हवा की गति बढ़ गई थी । हवा के झोंके बर्फ के कणों को चारों तरफ उड़ा रहे थे । उन्हें कुछ भी दिखायी दे नहीं रहा था । थोड़ी दूर तक कोई ऊँची चढ़ाई नहीं थी । ढलान एकदम सीधी नीची चली गई थी । उनकी साँस एकदम रूक गई थी । लेकिन सफलता उनके बहुत ही नज़दीक थी । बिछेंद्रि 23 मई 1984 के दिन दोपहर 1:07 मिनट पर एवरेस्ट की चोटी पर खड़ी थी ।

46. **बिछेंद्री पाल ने पहाड़ पर चढ़ने की तैयारी किस प्रकार की ?**

कर्नल खुल्लर ने साउथ कोल तक की चढ़ाई के लिए तीन शिखर दलों के दो समूह बना दिए थे । बिछेंद्री सुबह चार बजे उठ गई । बर्फ पिगलाई और चाय बनाई । कुछ बिस्कुट और आधी चॉकलेट का हल्का नाश्ता करके साढ़े पाँच बजे अपने तंबू से निकल पड़ी । अंग दोरजी भी उनके साथ चलता है ।